

धरती को तबाही का तोहफा

हमारे जो प्राकृतिक संसाधन हैं, जिन्हें हम प्राकृतिक रूप से तैयार भी नहीं कर सकते हम क्षतिग्रस्त समाज के पड़े लिखे शिक्षित नागरिक किस तरह से इनको मिटा रहे हैं और धर्ती का समुचित मिटाऊ उस पर प्राकृतिक आपदाओं का सैलाब लाने की कोशिश कर रहे हैं जो पूरी तरह से गलत है। हम सब जानते हुए भी हम कुछ नहीं करसो तो दूसरे जाह्लाक होने न होने का कोस फायदा नहीं होगा। मेरा माननीय श्री आ. नगरिकों से यह निवेदन है कि धर्ती के हित में हम जो वर्तमान में सब रहे हैं सो सब मिटाओं को बं करतो हुए सादगी पूर्ण

पूजा श्रीवास्तव विदिशा मध्य प्रदेश

टीवीएस मोटर कंपनी ने मिसानो में टीआरआईसी के साथ यूरोप के लिए अपनी ग्लोबल मोटरसाइकिल यात्रा शुरू की

रैंप के आगे भी एक दुनिया है



सावन से चालू है

पवित्रता का संकल्प लेकर जनेऊ बढ़लते हैं। प्रायः इस दिन जनेऊ के अनेक जोड़ों या कलियों दो तीनों बड़लों की पूजा कर रख लेते हैं और पूरे वर्ष में जब भी जनेऊ बढलना होता है तो इनमें से एक निकाल उपयोग कर लिया जाता है।

अब संक्षेप में प्रस्तुत कर रहा हूँ कई बड़े और महत्वपूर्ण त्योहार जिनमें श्रावणी पूर्णिमा के ठीक अगले दिन अर्थात् भाद्रपद (भादो) मास के शुक्र-अष्टमी होने के बाद मास का दिन है।

[illegible]

वर्षोत्प के 112 वें उपवास के बियासने का लाभ चोरडिया

परिवार, झारडा वाले ने लिया

के लिए सुंदर व्यवस्थाएं की गई हैं। इसी क्रम में सोमवार मानकलाल चोरड़िया परिवार ने अपनी नातिन सानवी, पुत्रा तपस्वियों की सुख-साता पूछते हुए उनकी तपस्या निर्दिष्ट की। साथ ही वीरताप समिति एवं सेवा में जुटे सभी महानुभाव आराधना समिति ने लाभासी चोरड़िया परिवार का बहुमान में झारड़ने से मानव महत्ता, सुचारु गमनना, निजिती सोच, अथवा की पारणा करवाने पहुंचे। उक्त जानकारी झारड़ जैन श्रीर

“बे”मन की बात..

दिखावे का भौकता मचाये और
अपने साथ-साथ बसों को
सजाने वाले शाब्द भूत गम थे
कि सरकार घोषित **अपातकाल**
का कलंक झेलने वाली
बांग्ला की नहीं है।



आंदोलन के पिस्सू जीवंत
और जगमग हों और शक्ति का
आभास कराने की चाह तो आगे
दम दिखाने के लिए वो रस्त
और तरीका अपनायना,
जो 1947 से पहले हमारे आपके
पुरुषों ने अपनाया था वो
किंगडॉमों के खिलाफ।
/ • प्रणव प्रभात •

1] भाद्रपद मास में मनाए जाने वाले त्योहार—कृष्ण पक्ष की तुलसी जिसके कहारी तीज [सातुड़ी तीज कहते हैं : इस दिन सातुड़ी मनाए अपने पति की लम्बी उम्र, अधिक स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि के लिए यहाँ कृष्ण की बालिकाएँ अच्छे और योग्य पति की प्राप्ति के लिए य उपवास करती हैं। कृष्ण पक्ष में छठ को हल घड़ी (ललही छठ उच्छट) : इस दिन भगवान् कृष्ण के बड़े भाई बलराम की जन्मोत्सव और हल की पूजा की जाती है। कृष्ण पक्ष की अष्टमी को जन्माष्टमी : भगवान् विष्णु के आठवें



गोवर्द्धन दास बिन्नाणी राजा
बाबू, जय नारायण व्यास
कालीनी, बीकानेर चलभाष -
7976870397 व्हाट्सअप -
9829129011